Green Ag Uttarakhand

Free Prior Informed Consent (FPIC)

Introduction:

FPIC serves as a safeguard to ensure that potential impacts on indigenous peoples in the decision making process of the Green Agriculture Project. Free, prior and informed consent (FPIC) is a right held by Indigenous Peoples. It enables them to say a "yes" or "no" to a proposed project or intervention that affect their land, territories, natural resources and livelihoods.

Identifying the Indigenous Peoples' concerns and their representatives.

To identify the Indigenous Peoples' concerns and their representatives the Census 2011 has been referred. Census 2011 data showed that in the High Priority Area under Green Ag project only three villages of Yamkeshwar block, namely Ramjiwala, Mangaliya Gaon, and Bunga had the indigenous communities (scheduled tribe population) as given under;

According to Census 2011, total Indigenous (ST) population in High Priority Area

S No	Development Block	Village	Number of HHs in the Village	Total ST population	ST Male	ST Female
1	Yamkeshwar	Ramjiwala	47	9	4	5
2	Yamkeshwar	Manglia gaon	43	18	8	10
3	Yamkeshwar	Bunga	69	56	26	30

Field Verification

To verify and document the present situation of existence / non-existence of the Indigenous People in high priority area under the project, a survey and verification exercise has conducted through GLIU staff in three mentioned villages i.e. Ramjiwala, Manglia gaon & Bunga

Process of verification–Conducted survey and verification exercise by CRPs.

Tools of survey during field visits: Two common meetings in each village and one-to-one interaction.

Group Discussions: For group discussions the targeted respondents were the Senior/elder members of village community:

- A-group: Local residents of the age between 70-80 yrs – number of members- 04
- B-group: Local residents of the age between 60-70 yrs - number of members- 04-06

Delivered answers/consent received from the groups:

- From A-group: Presently no any household of Scheduled tribe is there in the villages.
- From B- group: Presently no any household of Scheduled tribe is there in the villages.

Certification from Gram Pradhans (Village Heads)

On the basis of answers delivered /consent were received from all groups, the Gram Pradhans certified that no any household of schedules tribe is living there in the respective villages since a long time, thus no any ST family is residing there at present in the village.

Conclusion: On the basis of survey & verification exercise, village meetings and group discussions concluded in the villages namely Ramjiwala, Manglia Gaon and Bunga of the high priority area in Yamkeshwar block, it has observed that no any household of Schedule tribe or indigenous communities is there. **In light of the above findings, there is no need of conducting the FPIC process in the current high priority villages of Uttarakhand Landscape.**

Annexures: Meeting proceedings/photographs of interaction/meetings are annexed.

Annex 1- Meeting proceeding & Certificate of Gram Pradhan- village Ramjiwala,

Annex 2 - Meeting proceeding & Certificate of Gram Pradhan- village Manglia gaon

Annex 3 - Meeting proceeding & Certificate of Gram Pradhan- village Bunga

आज दिनांक 29.6.2022 को ग्रीन एजी (जैफ-06) परियोजना कोटद्वार यमकेश्वर ब्लॉक के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम रामजीवाला के ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क किया, अनुसुचित जनजाति के परिवारों के बारे में जानकारी ली,

गांव में रहने वाले बुजुर्गों श्री पदमादत्त कण्डवाल, कैलाश चन्द्र भट्ट, राकेश चन्द्र, श्रीमती कमला देवी, लक्ष्मी देवी, बिजोरा देवी, बचुली देवी जिनकी उम्र लगभग 70 वर्ष, 72 वर्ष, 65 वर्ष है, बातचीत की गयी बुजुर्गों का कहना है कि रामजीवाला गांव में अनुसुचित जनजाति के परिवार कभी नहीं रहते थे, हमारे पूर्वजों द्वारा भी गांव में अनुसुचित जनजातियों के बारे में नहीं बताया गया, उनका कहना है कि इस गांव में सामान्य जाति और अनुसुचित जाति और OBC जाति के ही लोग निवास करते है, इसी क्रम में गांव में रहने श्रीमती बचुली देवी से अनुसुचित जनजाति के परिवारों के बारे में बातचीत की गयी, इनका कहना था कि मेरी उम्र 70 वर्ष के लगभग है, मैंने इस गांव में सिर्फ सामान्य जाति, अनुसुचित जाति व ओ॰बी॰सी॰ जाति के ही परिवार देखे है, तथा आज भी इस गांव में यही जातियाँ निवास करती है, इसी गांव के बुजुर्ग पदमादत्त कण्डवाल जिनकी उम्र 70 वर्ष है, जब इनसे अनुसुचित जनजाति के परिवारों के बारे में चर्चा की गयी, तो इनके अनुसार इस सामान्य जाति और अनुसुचित जाति व OBC जाति के परिवार ही रहते थे,

कार्यकर्ताओं द्वारा गांव के अन्य ग्रामीणों से अनुसुचित जनजाति के परिवारो के बारे में चर्चा की गयी, ग्रामीणों का कहना था कि इस गांव में अनुसुचित जनजाति के परिवारों की संख्या कभी भी नहीं, यहाँ पर सामान्य जाति, अनुसुचित जाति व OBC जाति के ही परिवार रहते हैं।

इसी क्रम में प्रधान जी श्रीमती अंजु देवी जी से भी परियोजना की मे अनुसुचित जनजाति के परिवारों के बारे में जानकारी लेते हुए प्राप्त किया गया कि ग्राम पंचायत रामजीवाला में अनुसुचित जनजाति के परिवार वर्तमान में निवासरत नहीं है,

ह०- [signature]
नाम - नवीन विश्वकर्मा
पदनाम - CRP
दिनांक = 29/6/22

प्रमाणित किया जाता है कि ग्राम पंचायत रामजीवाला के OBC परिवार वर्तमान में केवल सामान्य, अनुसुचित जाति एवं OBC परिवार ही निवासरत हैं। यहां पर कोई भी परिवार अनुसुचित जनजाति का परिवार नहीं है,

अंजु देवी
ग्राम प्रधान

कैलाशचन्द्र - कैलाशचन्द्र [signature]
लक्ष्मी देवी — लक्ष्मी देवी
बिजोरा देवी
बचुली देवी
कमला देवी — कमला देवी
राकेश चन्द्र भट्ट — [signature]
पदमादत्त कण्डवाल — पदमादत्त

बिजोरा देवी
[thumb impression]

प्रधान ग्राम पंचायत
Anju Devi
रामजीवाला
29/6/22

Annexure- 2

आज दिनांक 29-06-22 को ग्रीन स्जी (जैफ-06) कोटद्वार यमकेश्वर ब्लॉक के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम मंगल्या गांव के ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क कर अनुसूचित जनजाति के परिवारों के बारे में जानकारी ली।

गांव में रहने वाले बुजुर्गों श्री कुंवर सिंह, श्री बद्री सिंह, श्री भगत सिंह श्री हरपाल सिंह जिनकी आयु क्रमशः 81 वर्ष, 82 वर्ष, 85 वर्ष, 60 वर्ष वर्ष है, बातचीत की गयी बुजुर्ग ग्रामीणों का कहना है कि मंगल्या गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, हमारे पूर्वजों द्वारा भी अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में नही बताया गया उनका कहना है कि इस गांव में सामान्य जाति और अनुसूचित जाति के लोग ही निवास करते है, इसी क्रम में गांव में रहने वाले श्री
से अनुसूचित जनजाति के परिवारों के बारे में बातचीत की गयी, उनका कहना था कि –

मेरी उम्र 75 वर्ष है, मैंने इस गांव में सिर्फ सामान्य व अनुसूचित जाति के परिवार ही देखे है तथा आज भी यही 02 जातियों के परिवार यहां रहते है।

गांव की बुजुर्ग महिला श्री मती सब्री देवी जिनकी उम्र 76 वर्ष है। इनसे अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में चर्चा की गयी, इस महिला के कथनानुसार –

मेरी शादी 14 वर्ष मे हो गयी थी, इस गांव में सामान्य और अनुसूचित जाति के परिवार ही रहते थे तब भी और आज भी, मेरे पोते द्वारा भी इन्ही 02 जातियों के बारे में बताया गया तथा गांव में यही 02 जातियों के परिवारो की खेती व जमीन जायदाद है।

कार्यकर्ताओं द्वारा गांव के अन्य ग्रामीणों से अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में चर्चा की गयी, ग्रामीणों का कहना था कि इस गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, यहां पर सामान्य व अनुसूचित जाति के परिवार ही रहते है।

अन्त में प्रधान श्री अशीष कण्डवाल द्वारा बताया गया कि मेरी जानकारी के अनुसार मंगल्या गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, इस गांव में सामान्य जाति / अनुसूचित जाति के परिवार रहते है और वर्तमान में भी यही दो जातियों के परिवार मंगल्या में निवास करते है।

ग्रामीणों के हस्ताक्षर –

1-> श्री कुंवर सिंह कुंवर सिंह
2-> श्री मती सब्री देवी
[नाम – गुलाब सिंह
पदनाम – C.R.P.]
3-> श्री बद्री सिंह बद्रि सिंह
4-> श्री भगत सिंह भगत सिंह
5-> श्री हरपाल सिंह हरपाल सिंह

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ग्राम पं. बिनक के अन्तर्गत राजस्व ग्राम - मंगल्यागाँव में 2011 के जनगणना के अनुसार एवं वर्तमान समय में कोई भी अनुसूचित जनजाति (ST) निवासरत नही है,

प्रधान ग्राम पंचायत बिनक
हस्ताक्षर.......
दिनांक....... 09/06/2022
वि0 ख0 - यमकेश्वर (पौड़ी गढ़वाल)

Annexure- 3

आज दिनांक 29-06-22 को ग्रीन सजी (जैफ-06) कोटद्वार, यमकेश्वर ब्लाक के कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम ~~संख्या~~ बुंगा गांव के ग्रामीणों व जनप्रतिनिधियों से सम्पर्क कर अनुसूचित जनजाति के परिवारों के बारे में जानकारी ली,
गांव में रहने वाले बुजुर्गों श्री आनन्द प्रसाद, श्री मती सुशीला देवी
श्री मती शकुन्तला देवी, जिनकी आयु क्रमशः 79 वर्ष, 64 वर्ष, 80 वर्ष
वर्ष है. बातचीत की गयी, बुजुर्ग ग्रामीणों का कहना है कि बुंगा गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, हमारे पूर्वजों द्वारा भी अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में नहीं बताया गया उनका कहना है कि इस गांव में सामान्य जाति और अनुसूचित जाति के लोग ही निवास करते है, इसी क्रम में गांव में रहने वाले श्री मती सत्य देवी से अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में बातचीत की गयी. उनका कहना था कि-
मेरी उम्र 90 वर्ष है मैंने इस गांव मे सिर्फ सामान्य व अनुसूचित जाति के परिवार ही देखे है तथा आज भी यही 02 जातियो के परिवार यहां रहते है।
गांव की बुजुर्ग महिला श्रीमती सरोज देवी जिनकी उम्र 70 वर्ष है, इनसे अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में चर्चा की गयी, इस महिला के कथनानुसार -
मेरी शादी 19 वर्ष मे हो गयी थी, इस गांव में सामान्य और अनुसूचित जाति के परिवार ही रहते थे तब भी और आज भी, मेरे पोते द्वारा भी इन्ही 02 जातियों के बारे में बताया गया तथा गांव में यही 02 जातियो के परिवारो की खेती व जमीन जायदाद है,
कार्यकर्ताओं द्वारा गांव के अन्य ग्रामीणो से अनुसूचित जनजाति के परिवारो के बारे में चर्चा की गयी, ग्रामीणो का कहना था कि इस गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, यहां पर सामान्य व अनुसूचित जाति के परिवार ही रहते है।
~~अन्त~~ अन्त में प्रधान श्रीमती अनीता देवी द्वारा बताया गया कि मेरी जानकारी के अनुसार बुंगा गांव में अनुसूचित जनजाति के परिवार कभी नही रहते थे, इस गांव में सामान्य जाति/अनुसूचित जाति के परिवार रहते है और वर्तमान मे भी यही दो जातियो के परिवार बुंगा ग्राम मे निवास करते है,

ग्रामीणों के हस्ताक्षर -
1- श्रीमती सरोज देवी — सरोज देवी
2- श्री आनन्द प्रसाद — आनन्द प्रसाद
3- श्रीमती सुशीला देवी — सुशीला देवी
4- श्री मती शकुन्तला देवी
5- श्री मती सत्य देवी

[नाम - कुलदीप गुसाईं
पदनाम - C.R.P.]

प्रमाणित किया जाता है कि ग्राम पंचायत बुंगा के अन्तर्गत सन 2011 की जनगणना के अनुसार तथा वर्तमान में कोई भी अनुसूचित जनजाति (ST) परिवार नहीं रहता है,

अनीता देवी
ग्राम प्रधान बुंगा

प्रधान ग्राम पंचायत
29/06/2022

I DRINK
Be Er